

तेरे खेल निराले ॥ ओ वंशी वाले  
तुम जग के रखवाले

खेल खेल में सारे ब्रज को  
जगमग ज्योत बनाया

तेरी लीला अजब मुरारी

कोई पार न पाया

हाँ ॥ दौड़ वाले से ॥ लगा ले

ओ वंशी वाले-----

तेरी माया में सब उलझे

सबको खूब हँसाया

जाये बरे गोकुल से मथुरा

फिर तो खूब रुलाया

हाँ ॥ अब तो आके ॥ बचाले

ओ वंशी वाले-----

जन्म सफल हो जाये मेरा

चरणों में अपना लो

तज "श्रीबाबाश्री" तेरी शरण में आया

अपना दास बना लो

हाँ ॥ सुन जग के ॥ रखवाले

ओ वंशी वाले-----

तेरे खेल-----